[Shri George Fernandes]

and for matters connected therewith or incidental thereto

MR SPEAKER The question is

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for the acquisition and transfer of the undertakings of Messrs Gresham and Craven of India (Private) Limited for the purpose of ensuring the continuity of production of goods which are vital to the needs of the Railways and of the industries manufacturing engineering products and for matters connected therewith or incidental thereto"

The motion was adopted

SHRI GEORGE FERNANDES I introduce† the Bill

STATEMENT *RE* GRESHAM AND CRAVEN OF INDIA (PRIVATE) LIMITED (ACQUISITION AND TRANSFER OF UNDERTAKINGS) ORDINANCE

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (KUMARI ABHA MAITI) I beg to lay on the Table an explanatory statement (Hindi and English versions) giving reasons for immediate legislation by the Gresham and Craven of India (Private) Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Ordinance 1977

PAYMENT OF BONUS (AMENDMENT) BILL*

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA) I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Payment of Bonus Act, 1965

MR. SPEAKER The question is

'That leave be granted to introduce a Bill further to amend the payment of Bonus Act, 1965"

The motion was adopted

SHRI RAVINDRA VARMA I introduce the Bill

STATEMENT *RE* PAYMENT OF BONUS (AMENDMENT) ORDINANCE

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA) I beg to lay on the Table an explanatory statement (Hindi and English versions) giving reasons for immediate legislation by the Payment of Bonus (Amendment) Ordinance 1977

---

12 46 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(1) DRAUGHT AND FAMINE SITUATION IN CERTAIN AREAS OF MAHARASHTRA

श्री हरीशंकर महाले (गालेगांव) अध्यक्ष महोदय, अगस्त महीने मे उत्तर प्रदेश मे बहुत बारिश हुई और बाढ आई और खेती और देहातो मे मकानो को नुकसान पहचा । उस पर यहा सुनवाई हुई और लोक सभा मे बहस हुई । इसके बाद तमिलनाडु मे समुद्र मे बाढ तूफान आया और मद्रास तथा अन्य विभागो मे बडी प्राणहानि हुई और इसके बारे मे लोक सभा मे बहस हुई और भारत सरकार ने सहानुभूति पूर्वक इस पर विचार किया और कुछ कदम उठा कर उनकी मदद भी की ।

---

†Introduced with the recommendation of the President

*Published in Gazette of India Extraordinary Part II, Section 2, dated 21-11-77

भारत म महाराष्ट्र भी एक राज्य है। महाराष्ट्र को पत्थर का मुल्क बोलते हैं, पहाड़ों का मुल्क बोलते है । प्रभु राम चन्द्र जब उत्तर से आए और दक्षिण को गये तो ज्यादा से ज्यादा समय वे महाराष्ट्र में ठहरे । इस तरह से महाराष्ट्र ने उत्तर और दक्षिण की संस्कृतियों का मिलाने का काम किया है ।

मै यह कहना चाहता हू कि अब की बार महाराष्ट्र राज्य मे बरसात कम हुई है और सूखा पड गया है । महाराष्ट्र मे मराठवाडा, नासिक, धुलिया जिले तो ऐसे हैं कि वहां पर पीने का पानी नही है, जानवरो के लिए घास नही है । लोग जानवर बेच रहे है और वे लोग भूखे मर रहे हैं । खरीफ और रबी की फसलें नही हुई। धान की फसल भो नही हुई है और मजदूरों और किसानों की हालत बहुत बुरी है । सन् 1973 मे भी यहां पर सूखा पडा था और उस सूखे का घाव अभी तक भरा नही गया है । दो बार सूखा पड़ गया है । महाराष्ट्र मे सिचाई की व्यवस्था केवल 8 प्रतिशत क्षेत्र मे ही है और इस क्षेत्र मे हमेशा कम व ज्यादा सूखा पड़ता है । वहां पर किसानों के पास 12 महीने के लिए अनाज की व्यवस्था नही है । और ऋण वापस करने की शक्ति भी उनके पास नही है । मजदूरों को तो रोजगार मिलना चाहिये लेकिन किसानों को भी रोजगार मिलने की जरूरत है । पीने के पानी की व्यवस्था उनके लिए होनी चाहिये और एक बार नाश्ते की व्यवस्था होनी चाहिये दवाओं की व्यवस्था उनके लिए होनी चाहिए और लडके लड़कियों के लिए स्कूल होने चाहिए। लड़कियों को इस बारे में कुछ सहयोग मिलना चाहिये ।

गजेन्द्र मोक्ष की बात भारतवासियों को मालूम है और आप भी इसको जानते हैं। घड़ियाल ने जब गजेन्द्र का पांव पकड़ा तो गजेन्द्र ने प्रभु का नाम लिया और प्रभु ने गजेन्द्र को मोक्ष दे दी। इस पर घड़ियाल प्रभु से बोला कि मैंने भी तो आपको देखा है पर आप मुझे क्यों नहीं मोक्ष देते हैं । इस पर प्रभु ने घड़ियाल को भी मोक्ष दे दी। इसलिए मेरी प्रार्थना यह है कि जब उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु, दोनों प्रदेशों की, केन्द्र ने आर्थिक तथा और प्रकार की अच्छी तरह से मदद की है और इसके लिए हम उन्हें धन्यवाद देते हैं, तो महाराष्ट्र मे जब इतना बड़ा सूखा पडा है, इसके बारे मे भी वे सोचें और उसकी कुछ मदद कीजिए । मेरी केन्द्र सरकार से प्रार्थना है कि ऐसी कोई समिति बना दीजिए जो यह सर्वेक्षण करे कि क्या क्या हो रहा है क्या क्या नहीं हो रहा है, और क्या क्या हालत है । यह समिति यदि गठित कर दी जाए तो वह अपने सुझाव केन्द्रीय सरकार को दे सकेगी । केन्द्र सरकार से यही प्रार्थना मेरी है और यही मुझे इस विषय पर कहना है ।

12.46 hrs.

(ii) POLICE LATHI CHARGE ON PALESTINIAN STUDENTS AT EGYPTIAN EMBASSY, NEW DELHI

SHRI DINESH JOARDER (Malda): Under Rule 377 of the Rules of Procedure and Conduct of Business I have to raise the following urgent matter. I request the Minister concerned and the Home Minister who is present here to make a statement on this matter:

It is reported that a large number of Palestinian students who were demonstrating before the Egyptian Embassy against the visit of Egypt President to Israel, on 20th November, 1977 were subjected to severe lathi charge by the Police. It is also reported that the police force used gun butts also to attack the students. Many Palestinian students were severely injured and 7 other students were arrested. Some of